अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–248 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 7 दिसम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। दिनांक 6 दिसम्बर को महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डाक्टर भीम राव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रवींद्र कुमार।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। दो वारंटी गिरफ्तार थाना फतेहपुर चौरासी, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी सफीपुर के कुशल पर्यवेक्षिशवरंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना फतेहपुर चौरासी पुलिस द्वारा कुल 02 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

सांसद व विधायक निधि योजना अंतर्गत 50 लाख के इंटरलॉकिंग कार्य का हुआ शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। मुजेहना विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंगरौल में पचास लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग का कार्य कराया जा रहा है।जिसका उद्घाटन आज मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैया व सांसद प्रतिनिधि राजेश सिंह द्वारा संयुक्त रुप से फीता काटकर किया गया। लोगों को संबोधित करते हुए मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैय्या ने कहा कि ग्राम पंचायत मुंगरौल में देवी स्थान से आठ सौ पचास मीटर की दूरी तक पचास लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग का कार्य सांसद व विधायक निधि से कराया जा रहा है जिसकी स्वीकृति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदान की गई थी।उसी का लोकार्पण आज किया गया है।उनहोने कहा कि इस मार्ग के बन जाने से कई ग्राम पंचायतों के हजारों लोगों को आने जाने में सुविधाएं मिलेंगी।इस अवसर पर जिला कार्यसमिति सदस्य प्रमोद पांडेय,मंडल अध्यक्ष संजय सिंह,पूर्व जिलामंत्री चंद्रप्रकाश शुक्ला,ग्राम प्रधान मुंगरौल,अध्यक्ष प्रधान संघ मुजेहना विनोद कुमार सिंह व मादू सिंह सहित काफी संख्या में भाजपाई व क्षेत्रीय लोग उपस्थित थे।

चुनाव से पहले 16 दिसंबर को योगी सरकार की कैबिनेट की मीटिंग वाराणसी में

वाराणसी। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे। समारोह को भव्य बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। सबसे बड़ी तैयारी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन के साथ ही योगी कैबिनेट की मीटिंग को लेकर हो रही है। 14 दिसंबर को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसके बाद 16 दिसंबर को योगी सरकार की कैबिनेट की बैठक होगी। यह बैठक काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में ही कराने की तैयारी हो रही है। अगर ऐसा होता है तो देश में पहली बार किसी सरकार की कैबिनट की बैठक किसी मंदिर में होगी। 13 दिसंबर को

कॉरिडोर के लोकार्पण के साथ ही काशी में एक महीने तक चलने वाले आयोजनों की शुरुआत भी हो जाएगी। इसमें भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन, देश के सभी महापौरों की सम्मेलन के अलावा हर दिन अलग–अलग आयोजन होने हैं। काशी चलो अभियान के तहत पूरे देश से काशी के लिए ट्रेनें चलाई जाएंगी। 16 दिसंबर को होने वाली योगी कैबिनेट की बैठक में दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डॉ दिनेश शर्मा के साथ ही अन्य मंत्री और अधिकारी मौजूद रहेंगे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को लेकर हो रहे आयोजनों को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी का बड़ा दांव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लोकार्पण को खास बनाने के लिए योगी सरकार और बीजेपी संगठन ने विशेष योजना बनाई है। कार्यक्रम को बीजेपी जन जन तक पहुंचाने का कार्यक्रम बना रही है। इसी के तरह चुनाव से पहले पूर्वांचल को साधने के लिए योगी सरकार काशी विश्वनाथ धाम में कैबिनेट बैठक कर बड़ा सन्देश देना चाहती है।

दूसरी शादी रचाने गया युवक पत्नी को देख भागा, ग्रामीणों ने धुनाई कर पुलिस को सौंपा

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात एक युवक शादी रचाने के लिए बरात लेकर पहुंच गया। उधर लड़की के घर आरोपी दुल्हे की पहली पत्नी, पहले से बच्चे के साथ बैठ कर इंतजार कर रही थी। बरात पहुंचते ही दुल्हा बच्चे के साथ पत्नी को देख कर भागने लगा। ग्रामीणों ने दौड़ा कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों पुलिस को सूचना दे दी।

मौके पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने आरोपी दूल्हे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। उधर बच्चे के साथ मौके पर मौजूद महिला पुलिस को बताई कि उसकी युवक के साथ लगभग पांच वर्ष पहले शादी हो चुकी है। उसके साथ एक चार वर्ष का बच्चा है।

महिला का आरोप है कि उसे जब उसके पति द्वारा दूसरी शादी करने की बात पता चली तो वह काफी

ने उसकी धुनाई कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोपी दूल्हे के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हवालात में डाल दिया।

बताया जा रहा है कि खोराबार थाना क्षेत्र के सुबाबाजार निवासी बबलू लगभग एक वर्ष पूर्व गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी तय किया था। निर्धारित तिथि के अनुसार पांच दिसंबर की शाम लगभग साढ़े आठ बजे लड़की के दरवाजे पर बरात पहुंची। बरातियों के स्वागत के लिए सैकड़ों की संख्या में घराती व अन्य रिश्तेदार मौजूद थे।

उधर, एक महिला अपने चार वर्षीय बच्चे के साथ बैठ कर इंतजार कर रही थी। महिला को देख कर दूल्हा भागने लगा। बरात के स्वागत में पहुंचे घराती दूल्हे को भागते देख दौड़ा कर पकड़ लिए। उसी में कुछ युवकों ने दूल्हे की धुनाई भी कर दी। इसके बाद लोगों ने खोजबीन की इसके बाद वह यहां पहुंची ताकि उसका पति दूसरी शादी न कर सके। आरोपी दूल्हा पुलिस के समक्ष मांफी मांगने लगा। उधर, दुल्हन बन कर बैठी पीड़ित लड़की की मां ने आरोप लगाया कि एक वर्ष पहले आरोपी युवक झूठ बोल कर शादी तय किया था। शादी की तैयारी के साथ ही उसका अब तक लगभग साढ़े पांच लाख रुपये से अधिक खर्च हुआ है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करते हुए आरोपी दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा चंद्रहास मिश्र ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

इतनी कोशिशों के बावजूद गोशालाओं में क्यों दम तोड़ रही हैं गायें

माधौगढ़ (जालौन) जनपद जालौन की माधौगढ़ तहसील में आने वाले ग्रामो में गौशालाओ की हालत बद से बदत्तर होती जा रही है।योगी आदित्यनाथ के द्वारा गायों के प्रति उनकी इस संवेदनशीलता का ही नतीजा है कि राज्य में सरकार बनने के बाद से ही गायों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनकी देखभाल के लिए कई फैसले लिए गए, गोशालाएं बनवाने के निर्देश दिए गए और बजट में अलग से इसके लिए प्रावधान किया गया। लेकिन राज्य का शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां से आए दिन गायों–बछड़ों के मरने की खबर न आती हो, वो भी भूख से मरने की राज्य सरकार ने इसी साल सभी गांवों में गोशाला और शहरी इलाकों में पक्के आश्रय स्थल बनवाने के निर्देश दिए थे। लेकिन ज्यादातर आश्रय स्थलों में गायें चारे और पानी के अभाव में दम तोड़ दे रही हैं या फिर उन्हें बाहर ही घूमने के लिए छोड़ दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड इलाकेे में अन्ना पशु वहां के किसानों के लिए पहले सी गंभीर समस्या बने हुए थे, लेकिन अब ये स्थिति और भयावह हो गई है।इसीलिए जब गोवंश आश्रय स्थलों के निर्माण की घोषणा हुई तो सबसे पहले इसकी शुरुआत बुंदेलखंड इलाकेे से ही हुई अस्थाई आश्रय स्थल जनवरी में ही बनाए गए लेकिन उन आश्रय स्थलों में शायद ही कोई गाय हो।

उन्नाव सदर कोतवाली पुलिस द्वारा दो अंतर्जनपदीय शातिर वाहन चोर वचोरी की सात मोटरसाइकिल ई–रिक्शा के बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया उन्नाव जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा अवध की आवाज के पत्रकारों के द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव से चर्चा करने जानकारी हुई दो अपराधियों में एक अपराधी पर पहले से ही 5 मुकदमा चोरी के और गैंगस्टर में जेल भेजा।

खेत से आ रहे किसान को शराबियों ने मारी टक्कर

अवध की आवाज

नगराम, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना नगराम क्षेत्र के घोड़सारा गांव में खेत से आ रहे किसान रामचंद्र को दो शराबियों ने सामने से टक्कर मार दी। राहगीरों के मुताबिक किसान रामचंद्र रावत अपने खेत में सिंचाई करके छोटा पंपिंग सेट इंजन लेकर के

रोड के किनारे किनारे पैदल घर जा रहे थे। घायल रामचंद्र के मुताबिक मोटरसाइकिल सवार बाबू पिता लालू रावत, अंकित पिता गिरीश मास्टर के लड़के शराब के नशे में धूल दोनो लडको ने रामचंद्र रावत को सामने से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गए ।जहा किसान रामचंद्र रावत उछल कर के रोड के किनारे बनी खंती में जा गीरे । किसान रामचंद्र को आनन फान में नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया है जहा किसान रामचंद्र की हालत गम्भीर बनी हुई है।

स्वतंत्रता के बाद किसानों का पहला आंदोलन था, जिसने संसद में पारित प्रस्तावों की वापसी के लिए सत्तारूढ़ पाटह्न को मजबूर किया

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। यह स्वतंत्रता के बाद किसानों का पहला आंदोलन था, जिसने संसद में पारित प्रस्तावों की वापसी के लिए सत्तारूढ़ पार्टी को मजबूर कर दिया!हम सभी इस आंदोलन में सैंकड़ों की संख्या में शहीद हो चुके किसानों के बलिदानों के लिए,शत–शत नमन के साथ उनके परिवारों के भरण पोषण और सम्मान के लिए, किसानों में एकजुटता के साथ आवाज बुलंद करने की अपील करते हैं!विगत आंदोलन में किसानों के साथ हुए अन्याय से हुई क्षति की भरपाई,व जमा ट्रैक्टर वापसी और मुवावजे के अलावा अभी फसलों के लिए शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर खरीद के लिए शासनादेश हेतु हम किसानों को संघर्ष करना होगा!यह विचार संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक सीतापुर में,आठ दिसंबर को आयोजित किसान विजय रथ यात्रा की ट्रैक्टर रैली,जो सुबह दस बजे

गल्ला मंडी में किसान भाइयों के एकत्रित होने के बाद,शाहजहांपुर चुंगी चौकी से लालबाग चौराहे होकर सीतापुर बसड्डा से बाई पास पहुंचेगी! सभी किसान भाइयों से निवेदन है विजय रथ यात्रा में शामिल होकर हम सभी के उत्साह वर्धन में साथ दे! जिला प्रशासन के साथ हुई संयुक्त किसान मोर्चा बैठक में संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू,संगतिन मजदूर किसान यूनियन से ऋचा सिंह,शिव प्रकाश सिंह प्रदेश प्रभारी/राष्ट्रीय सचिव किसान मंच ,किसान मंच महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह, सिख्ख संगठन से गुरुपाल सिंह, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दिव्य रत्न सिंह, गुड्डी सिंह महिला प्रकोष्ठ व मोनू सिंह उपस्थित थे।

गोण्डा हाई एलर्ट पर,रेलवे स्टेशन पर रेल सुरक्षाबल ने चलाया चेकिंग अभियान

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोण्डा। कल 6 दिसंबर के मद्देनजर केंद्र और राज्य सरकार से इनपुट मिलने के बाद गोंडा रेलवे स्टेशन पर नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों से आने वाली ट्रेनों में आज सीआईबी और आरपीएफ की टीम ने डॉग स्क्वायड के साथ चेकिंग अभियान चलाया आरपीएफ के पोस्ट कमांडर नरेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि कल 6 दिसम्बर को देखते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार से अलर्ट और जो इनपुट मिले है उसे देखते हुए नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों से गुजरने वाली ट्रेनों में विशेष रूप से चेकिंग अभियान चलाया गया बलरामपुर जिले में प्रधानमंत्री के दौरे को भी ध्यान रखते हुए 47 जोड़े ट्रेनों में चेकिंग की जा रही है साथ में यात्रियों को जागरूक करते हुए बताया जा रहा है कि कोई भी संदिग्ध मिले उसे हमारे कंट्रोल रूम के नंबर पर तुरंत सूचना दे।

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर महानगर। कानपुर महानगर में सिविल लाइन डीएवी डिग्री कालेज परिसर पर दिवंगत छात्र नेता नौजवानों के मसीहा स्वर्गीय श्याम सिंह पूर्व अध्यक्ष डीएवी कॉलेज छात्रसंघ जो कि 1992 के दंगों में शहीद हुए थे। स्वर्गीय श्याम सिंह पूर्व अध्यक्ष डीएवी कॉलेज छात्रसंघ 29वी पुण्यतिथि का कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रों का पूर्व छात्रों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें नमन किया।

सामाजिक समरसता दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कस्बे में निकाली शांतिपूर्वक रैली

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी हरदोई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले नगर अध्यक्ष अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में आज कस्बे में सामाजिक समसरता दिवस के अवसर पर शांतिपूर्वक रैली निकाली गई। इस दौरान कस्बे के बाबा मंशानाथ मंदिर से कटरा बाजार बस स्टैंड अंबेडकर नगर होते हुए शाहाबाद तिराहा स्थित बाबा बुध विहार के पार्क में डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पे माल्यार्पण किया गया तथा इसके बाद रैली को समापन किया गया। तथा समापन के उपरांत पार्क मौजूद गणमान्य लोगों के साथ खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष अनुराग शुक्ला उपाध्यक्ष अभिषेक बाजपेई नगर मंत्री अर्पण शर्मा एवं समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवध कि आवाज शुक्लागंज से संवादाता सुमन मिश्रा जी ने नमामि गंगे जिला सयोजिका शिल्पी राकेश दिक्षित जी के आवास पर जाकर जन्मदिन कि शुभकामनाएं प्रेषित कि इस मौके पर मंडल क अनुज तिवारी दोस्त मोहम्मद खान सलमान खान रजत ठाकुर आदि कार्य करता मौके पर मौजूद रहे

सम्पादकीय

बहुआयामी गरीबी की चुनौती

इन दिनों देशभर में बहुआयामी गरीबी की चुनौती से संबंधित नीति आयोग की 26 नवंबर को प्रकाशित रिपोर्ट को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। इस बहुआयामी गरीबी सूचकांक (मल्टीडायमेंशनल पोअर्टी इंडेक्स या एमपीआई) में यह तथ्य सामने आया है कि देश में बहुआयामी गरीबी सबसे बड़ी आर्थिक–सामाजिक चुनौती बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश देश के सर्वाधिक गरीब आबादी वाले राज्य हैं। इस सूचकांक के अनुसार जहां बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 36.65 प्रतिशत और मेघालय में 32.67 प्रतिशत आबादी गरीब है। इस सूचकांक के तहत केरल में 0.71 प्रतिशत, गोवा में 3.76 प्रतिशत, तमिलनाडु में 4.89 प्रतिशत और पंजाब में 5.59 प्रतिशत जनसंख्या गरीब पाई गई है। इस रिपोर्ट में बहुआयामी गरीबी के आकलन के लिए वर्ष 2015–16 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के चौथे दौर के समंको को आधार बनाया गया है। नीति आयोग के मुताबिक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में एनएफएचएस के द्वारा वर्ष 2019–20 में किए गए पांचवें दौर के सर्वे के परिणामों से बड़ा परिवर्तन होगा।

कारण यह है कि एनएफएचएस के चौथे राउंड के बाद देश में प्रधानमंत्री आवास जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, सहम बिजली हर घंटे बिजली, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, पोषण अभियान समग्र शिक्षा योजना शुरू की गई है। इनसे सभी राज्यों में गरीबी के स्तर में कमी आने की संभावना है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 2014–15 की तुलना में 2019–20 के दौरान रसोई गैस से वंचित लोगों की संख्या 58.5 प्रतिशत से घटकर 41.4 प्रतिशत, स्वच्छता से वंचित आबादी की संख्या 29.8 फीसदी और बिजली से वंचित आबादी का प्रतिशत 12.2 फीसदी से घटकर 3.2 प्रतिशत रह गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि कोविड–19 ने भारत में गरीबी और भूख की चुनौती को बढ़ाया है। पिछले दशक में देश में जिस तेजी से गरीबी में कमी आ रही थी, उसे अकल्पनीय कोरोना संकट ने बुरी तरह प्रभावित किया है और देश के अधिक जनसंख्या वाले बड़े प्रदेशों में गरीबी का स्तर बढ़ गया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2005–06 में भारत में 51 फीसदी लोग गरीबी में थे। यह प्रतिशत 2015–16 में 27.9 फीसदी रह गया और इसमें लगातार कमी आती जा रही थी। कोरोना के एक साल में देश को गरीबी के मामले में देश को कई वर्षों पीछे धकेल दिया और कोरोना ने करोड़ों लोगों को गरीब बना दिया।

अमरीकी शोध संगठन प्यू रिसर्च सेंटर के द्वारा प्रकाशित की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी ने भारत में बीते साल 2020 में 7.5 करोड़ लोगों को गरीबी के दलदल में धकेल दिया है। रिपोर्ट में प्रतिदिन 2 डॉलर यानी करीब 150 रुपए कमाने वाले को गरीब की श्रेणी में रखा गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जहां सरकार गरीबी, भूख, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाते हुए आगे बढ़ रही है। कोविड–19 के बाद इन सभी क्षेत्रों में सरकार ने जो पहल की और जो अभियान चलाए उन्हें हर व्यक्ति अनुभव कर रहा है और दुनिया के विभिन्न वैश्विक संगठनों ने भी इसकी सराहना की है। यदि कोरोनाकाल में सरकार के ऐसे सफल अभियान नहीं होते तो देश में बहुआयामी गरीबी और बढ़ी हुई दिखाई देती। स्थिति यह है कि देश की दो तिहाई आबादी को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के दायरे में लाया गया है। स्थिति यह है कि अप्रैल 2020 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना लागू की गई और इससे देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। यह योजना मार्च 2022 तक के लिए बढ़ाई गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक जनधन, आधार और मोबाइल (जैम) के कारण गरीब व कमजोर वर्ग के करोड़ों लोग डिजिटल दुनिया से जुड़ कर प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। देश में करीब 43 करोड़ जनधन खातों, 130 करोड़ आधार कार्ड और 118 करोड़ लोगों के पास मोबाइल उपभोक्ता, होने के कारण पिछले वर्ष 2020 में सरकार के द्वारा घोषित किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान से 40 करोड़ से अधिक गरीब वर्ग के लोगों तक उनके खातों में सीधी राहत पहुंचाई गई। कोरोनाकाल में दुनिया के किसी देश में ऐसा डिजिटल माध्यम से राहत का काम कहीं नहीं हुआ।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक देश के छोटे किसान सरलतापूर्वक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ लेने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम किसान योजना के अंतर्गत अगस्त 2021 तक 11.37 करोड़ किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के जरिये 1.58 लाख करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। निश्चित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बहुआयामी गरीबी को दूर करने में स्वामित्व योजना को एक नई आर्थिक शक्ति बनाया जा सकता है। विगत 6 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के हरदा में आयोजित स्वामित्व योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होते हुए देश के 3000 गांवों के 1.71 लाख ग्रामीणों को जमीनों के अधिकार पत्र सौंपे हैं। इस योजना के सूत्र मध्यप्रदेश के वर्तमान कृषि मंत्री कमल पटेल के द्वारा वर्ष 2008 में उनके राजस्व मंत्री रहते तैयार की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास अधिकार योजना से आगे बढ़े हुए दिखाई देते हैं। इसके तहत 2 अक्तूबर 2008 को हरदा के दो गांवों में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में भूखंडों के मालिकाना हक के पट्टे ग्रामीण आवास अधिकार पुस्तिका के माध्यम से दोनों गांवों के किसानों व मजदूरों को सौंपे गए थे। इन दोनों गांवों के किसानों व मजदूरों का जोरदार आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है। इस अभियान से दोनों गांवों में अनेक लोगों ने अपनी स्वामित्व की जमीन पर बैंकों से सरलतापूर्वक ऋण लेकर छोटे–कुटीर और ग्रामीण उद्योग शुरू किए हैं।

इन गांवों में किसानों की आय बढ़ी है। गरीबी व बेकारी कम हुई है और किसानों की खुशियां बढ़ी हैं। ऐसे में देशभर के गांवों में स्वामित्व योजना के तेजी से लागू होने से किसानों की गैर कृषि आय बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की चमकीली स्थिति बनाई जा सकेगी। निश्चित रूप से इस समय देश में लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के साथ–साथ उनके जीवनस्तर को ऊपर उठाने की दिशा में अभी लंबा सफर तय करना है। स्वास्थ्य व्यय में वशद्धि के साथ–साथ गरीब एवं कमजोर वर्ग के युवाओं के लिए रोजगार के मौके जुटाने के लिए एक ओर सरकार के द्वारा डिजिटल शिक्षा के रास्ते में दिखाई दे रही कमियों को दूर करना होगा, वहीं दूसरी ओर कौशल प्रशिक्षण के साथ नए स्किल्स सीखना होंगे। हम उम्मीद करें कि देश में बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री के द्वारा घोषित नई जनकल्याण योजनाओं, सामुदायिक रसोई व्यवस्था तथा पोषण अभियान–2 को पूरी तरह कारगर व सफल बनाया जाएगा। हम उम्मीद करें कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019–20 के पांचवें दौर के अंतिम परिणामों के आधार पर जब आगामी नया बहुआयामी गरीबी सूचकांक प्रस्तुत होगा, तब उसमें अधिक जनकल्याण और गरीबी में कमी आने का स्पष्ट परिदृश्य दिखाई देगा।

शादी की रस्मों का बनता भद्दा मजाक

–प्रो. सुरेश शर्मा–

वर्तमान में हमारे सभी त्यौहारों, संस्कारों, रीति–रिवाजों का पूर्ण रूप से व्यवसायीकरण हो चुका है। संचार माध्यमों की घुसपैठ तथा भौतिकवादी सोच हमारे सभी रीति–रिवाजों, संस्कारों तथा त्यौहारों में झलक रही है। देखा–देखी तथा साधनों के अभाव के बावजूद आम तथा गरीब व्यक्ति भी इन आयोजनों के लिए मजबूर हो चुका है। भौतिकवादी चकाचौंध तथा विचार शून्यता से संस्कृति, रीति–रिवाजों तथा संस्कारों की परिभाषाएं ही बदल गई हैं। शादी समारोहों में कई प्रकार के रस्मों–रिवाजों, धार्मिक एवं सामाजिक संस्कारों का प्रावधान है जिसमें देवताओं के आह्‌वान के साथ–साथ हल्दी, मेहंदी, उबटन, मामा आगमन, घोड़ी, जयमाला, सात फेरे, हवन, वेदिका पूजन, मांग भरना, आनंद–विनोद एवं छेड़छाड़ के उद्देश्य से दुल्हन की बहनों, सहेलियों द्वारा द्वार रोकना या जूते छुपा लेना, बारातियों को गालियां देना, विदाई तथा वधु प्रवेश आदि रस्मों–रिवाज हमारे शादी समारोह को चार चांद लगाकर चिर स्मरणीय बना देते हैं।

विवाह संस्कार किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण समारोह होता है। यह संस्कार युवक एवं युवती को जहां एक–दूसरे के हाथों में सौंप कर भविष्य के अनंत सपनों, उमंगों तथा खुशियों से दामन को भर देता है, वहीं पर यह पारिवारिक तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी जिढम्मेदारी का एहसास करवाता है। विवाह संस्कार में विभिन्न रस्मों–रिवाजों के पीछे कोई न कोई महत्त्व एवं गूढ़ रहस्य होता है जिसे शादी के योग्य सभी युवा–युवतियों को जानना एवं समझना चाहिए अन्यथा कोर्ट मैरिज तथा अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है। आजकल बहुत सा शिक्षित युवा वर्ग शादी की आवश्यकता को न समझते हुए लिव इन रिलेशनशिप में भी रह रहा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसे सामाजिक रूप से मान्यता नहीं है। वर्तमान में शादी समारोह में लाखों रुपए की राशि खर्च कर भव्य आयोजन किए जाते हैं। एक से बढ़कर एक शादी आयोजित होती है, लेकिन कोई भी शादी समारोह इतिहास के पन्नों में भव्य आयोजन के रूप में आज तक अपना पंजीकरण नहीं करवा पाया। इसका कारण यह है कि भौतिकवाद की इस भेड़ चाल में कोई भी धनवान तथा संपन्न व्यक्ति अपने आयोजनों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने देना चाहता। विवाह संस्कार की महत्त्वपूर्ण एवं अर्थपूर्ण क्रियाओं का कोई महत्त्व ही नहीं रह गया है। ब्यूटी सैलून संचालकों के सस्ते से महंगे पैकेजेस हैं। बैंड–बाजे वाले तथा ढोली चाहते हैं कि बाराती शराब के नशे में धुत्त–मदमस्त होकर सारी रात नाचते रहें तथा पैसे की बरसात होती रहे।

उनकी ओर से लग्न मुहूर्त का समय निकले तो निकलता रहे। घोड़ी वाले का पैसे बनाने का अपना समय है। पंडित जी की अपनी मजबूरियां हैं। फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर को अपना बिजनेस करना है। दूल्हे के दोस्तों तथा दुल्हन की सहेलियों की अपनी भूमिका है। शादी का कार्ड छापने से लेकर मिठाई, भाजी, धाम, टैंट, कैटरिंग, लाइट एंड साउंड, डीजे, डैकोरेशन, ब्यूटी सैलून, बड़े–बड़े होटलों में ठहरने के इंतजाम, महंगी से महंगी शराब, कुल मिलाकर शादी एक संस्कार समारोह न बन कर एक 'इवेंट मैनेजमेंट' बन चुका है। इवेंट मैनेजमेंट में कितने लोगों का इंतजाम, क्या–क्या रिक्वायरमेंट, ब्रेकफास्ट, लंच, कॉकटेल, डिनर का मैन्यू तथा बजट महत्त्वपूर्ण है। केवल चौक पेमेंट पर सब कुछ एकदम तैयार मिलता है। आपको सिर्फ कोट–पेंट तथा टाई लगाकर सज–धज कर आयोजन स्थल पर रोबोट की तरह हाथ जोड़ते हुए लोगों का स्वागत करना है। पड़ोसी तथा रिश्तेदार मात्र तीन घंटे के आयोजन में समारोह का आनंद लेने के बाद अक्सर आलोचनाएं करते ही पाए जाते हैं। इन भव्य शादी समारोहों में आयोजकों द्वारा सभी को दुनिया के सुखों को प्रदान करने की कोशिश की जाती है, लेकिन भौतिकवाद की चकाचौंध में विवाह–संस्कारों तथा रस्मों–रिवाजों की आत्मा ही घुटती है। सबसे बुरी हालत तो शादी संस्कारों को पूरा करवाने वाले कुल पुरोहित की होती है जिसे बंधुआ मजदूर की तरह शादी समारोह में लाकर आधे घंटे में रस्मों–रिवाज पूरा करने के आदेश दे दिए जाते हैं। पुरोहितों को भी व्यवस्था से समझौता करना पड़ता है। वरमाला के समय वर पक्ष की ओर से दूल्हे के दोस्तों तथा वधु पक्ष की ओर से उसके भाइयों की फौज को वरमाला डालने या न डालने पर कई बार उलझते देखा जाता है। आमोद–प्रमोद के क्षणों में विष्णु रूपी वर तथा लक्ष्मी रूपी वधु को अपने बेहद अंतरंग, अर्थपूर्ण तथा महत्त्वपूर्ण क्षणों में भी तनातनी का सामना करना पड़ता है। बुद्धिमान व्यक्तियों के अनुसार जयमाला के क्षण वर एवं वधु के लिए बहुत ही अंतरंग एवं महत्त्वपूर्ण होते हैं तथा इसमें किसी भी अनावश्यक नाटक या अन्य पात्रों की आवश्यकता नहीं होती। वरमाला बहुत ही सरल तथा सहज ढंग से ग्रहण की जानी चाहिए। इसी प्रकार लग्न, सात फेरों, हवन, वेदिका, मांग भराई आदि संस्कारों का विधि–विधान से पालन होना चाहिए। हमारे शास्त्रों में परिवार के कुल पुरोहित को गुरु माना जाता है। उनके निर्देशानुसार विधानपूर्वक संस्कार संपन्न होना चाहिए। विवाह संस्कार में द्वार रोकना तथा जूते चुराना इत्यादि रस्में भी वर–वधु एवं उनके भाइयों–बहनों, दोस्तों, सहेलियों के बीच हंसी–खुशी, आमोद–प्रमोद का एक कारण है, लेकिन इसके नाम पर भी भारी भरकम राशि मांगने की शर्त पर अड़े रहने से भी कई बार आंखें मैली होती हुई दिखाई देती हैं। किसी भी शादी समारोह के आयोजनों में बहुत से लोगों के हित, आजीविका तथा भावनाएं जुड़ी होती हैं जिन्हें पूरा किया जाना आसान कार्य भी नहीं होता। भौतिकवाद की चकाचौंध में पूरी तरह से आनंद लें, लेकिन शादी से पूर्व कुछ बातें वर–वधु तथा उनके अभिभावक समझदारी से सुनिश्चित कर लें कि किसी भी प्रकार का अन्न–धन तथा संसाधनों का अपव्यय न हो। हिंदू संस्कृति से शादी संस्कार संपन्न करें तो रीति–रिवाजों का उपहास न उड़ने दें। वरमाला, लग्न, वेदी, हवन, सात फेरों, मांग भराई, शादी की शर्तों की गरिमा एवं गंभीरता का ध्यान रखें। शादियों में भारी–भरकम कानफाडू संगीत से शरीर झूम सकते हैं, लेकिन आत्मा तृप्त नहीं हो सकती। भारी आवाजों के कारण हमारे विचारों का आदान–प्रदान नहीं हो पाता। अपनी संस्कृति तथा रीति–रिवाजों को अधिमान दें। भोजन की बरबादी किए बिना भूखे पेट व्यक्तियों की भूख शांत हो सकती है। अपनी बुद्धि और विवेक से बहुत ही संवेदनशील निर्णय लेकर साधारण एवं विवाह समारोह का गरिमामय आयोजन करें। फिजूलखर्ची को रोक कर अपने आप को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें। विवाह संस्कार किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण और चिरस्मरणीय संस्कार होता है। इसके रीति–रिवाजों, संस्कारों का भद्दा मजाक नहीं बनना चाहिए।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में इस बार श्रीकृष्ण बनेंगे भाजपा के चुनावी सारथी!

–संजय सक्सेना–

भारतीय जनता पार्टी ने रामलला के नाम पर कई चुनाव लड़ और जीत के देख लिये, लेकिन अब जबकि अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है और अब वहां सियासत चमकाने का कोई मौका नहीं बचा है तो बीजेपी ने अपना फोकस अयोध्या से हटाकर प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में केन्द्रित कर लिया है। बीजेपी 2022 के विधानसभा चुनाव में रामलला की तर्ज पर ही प्रभु श्रीकृष्ण को अपना नया सारथि बनाने जा रही है। इसका वैसे किसी को कोई खास आभास नहीं था लेकिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के मथुरा वाले बयान ने बीजेपी की भविष्य की राजनीति का जैसे खाका ही खींच कर रख दिया है। इस बयान के बाद मथुरा पर सियासत तेज हो गई है जिसमें उपमुख्यमंत्री ने कहा था, 'अब मथुरा की तैयारी है'। मौर्या के इस बयान से विपक्ष बौखला गया है तो बीजेपी मौर्या के बयान के 'ताप' को नापने में लगी है। यदि बीजेपी की अपनी हिन्दुत्व वाली सियायत में मौर्या का बयान फिट बैठ गया तो अगले वर्ष होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव ही नहीं आगे के भी कई लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनावों में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा अयोध्या की तरह गरमाता रहेगा।

दरअसल, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक पार्टियों ने अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। चुनाव में अयोध्या में मंदिर निर्माण, अब्बाजान, जिन्ना, कलाम, पलायन, मुस्लिम तुष्टिकरण, साम्प्रदायिकता, किसान, गन्ना सबके नाम पर राजनीति हो रही है, तो भला भगवान भी इस चुनाव में उतरे बिना कैसे बच सकते थे। हर बार राम जन्मभूमि मंदिर को मुद्दा बनाने वाली बीजेपी ने अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है, तो इस पर किसी को कोई आश्चर्य नहीं है। बीजेपी आलाकमान ने कभी काशी और मथुरा पर खुलकर कोई बयान नहीं दिया हो, लेकिन अक्सर बीजेपी के नेता और हिन्दूवादी संगठन सार्वजनिक मंचों से 'अभी मथुरा–काशी बाकी है' का नारा लगाते रहते हैं। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने गत दिनों जब एक ट्वीट कर 'मथुरा की तैयारी है' की बात की तो यूपी का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। केशव प्रसाद मौर्या ने अपने इस ट्वीट को अपने ट्विटर प्रोफाइल पर पिन भी कर दिया है। उप–मुख्यमंत्री के ऐसे ट्वीट के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। आखिर बीजेपी की क्या मजबूरी थी जो अचानक उसको भगवान श्रीकृष्ण को अपना सारथी बनाने की जरूरत पड़ गई।

दरअसल, श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा सालों से चलता आ रहा है। मगर अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनाने की बीजेपी की मुहिम के चलते ही बीजेपी के अंदरखाने श्रीकृष्ण की जन्मस्थली को लेकर कहीं कोई ज्यादा सक्रियता नहीं देखी गई। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब मथुरा के तीन याचिकाकर्ताओं– रंजना अग्निहोत्री, विष्णु शंकर जैन, हरिशंकर जैन और तीन अन्य ने मथुरा की जिला कोर्ट में एक याचिका दाखिल की। याचिका में कहा गया था कि मुसलमानों की मदद से शाही ईदगाह ट्रस्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कब्जा कर लिया और ईश्वर के स्थान पर एक ढांचे का निर्माण कर दिया। भगवान श्रीविष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण का जन्मस्थान उसी ढांचे के नीचे स्थित है। इसको लेकर मथुरा की कोर्ट में एक सिविल मुकदमा दायर किया गया और 13.37 एकड़ पर दावा करते हुए स्वामित्व मांगने के साथ ही शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग की गई थी।

बताते चलें कि मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद श्रीकृष्ण जन्मभूमि से ठीक वैसे ही लगी हुई बनी है जैसे मुगल काल में काशी में बाबा भोलेनाथ के मंदिर के बगल में ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण कराया गया था। अयोध्या में रामलला का मंदिर ध्वस्त करके कथित तौर पर बाबरी मस्जिद बनवाई गई थी। इतिहासकार कहते हैं कि औरंगजेब ने प्राचीन केशवनाथ मंदिर को नष्ट कर दिया था और शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया था। 1935 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वाराणसी के हिंदू राजा को जमीन के कानूनी अधिकार सौंप दिए थे जिस पर मस्जिद खड़ी थी। 1951 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट बनाकर यह तय किया गया कि वहां दोबारा भव्य मंदिर का निर्माण होगा और ट्रस्ट उसका प्रबंधन करेगा। 1958 में श्रीकृष्ण जन्म स्थान सेवा संघ नाम की संस्था का गठन किया गया। कानूनी तौर पर इस संस्था को जमीन पर मालिकाना हक हासिल नहीं था लेकिन इसने ट्रस्ट के लिए तय सारी भूमिकाएं निभानी शुरू कर दीं। इस संस्था ने 1964 में पूरी जमीन पर नियंत्रण के लिए एक सिविल केस दाखिल किया, लेकिन 1968 में खुद ही मुस्लिम पक्ष के साथ समझौता कर लिया। 1968 के समझौते के अनुसार, शाही ईदगाह कमिटी और श्री कृष्णभूमि ट्रस्ट के बीच एक समझौता हुआ जिसके अनुसार, जमीन ट्रस्ट के पास रहेगी और मस्जिद के प्रबंधन अधिकार मुस्लिम कमिटी को दिए जाएंगे। अब प्रभु श्रीकृष्ण के भक्तों द्वारा इसी समझौते को कोर्ट में चुनौती दी जा रही है। इसमें भी बीजेपी फिलहाल पर्दे के पीछे से रोल निभा रही है, लेकिन कब वह इस मसले पर फ्रंटफुट पर आ जाए कोई नहीं जानता है। इसकी वजह भी है।

सबसे बड़ी वजह तो यही है कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के पक्ष में फैसला आने और मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से बीजेपी के पास चुनावी रैलियों और घोषणापत्र में भुनाने के लिए हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं रह गया था, इसी के चलते बीजेपी को हिन्दू वोटों को बीजेपी के पक्ष में जोड़े रखने की दिक्कतें आ रही हैं। जबकि मुस्लिम वोट एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में खड़ा नजर आ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोगों की आस्था और धर्म से जुड़े मुद्दे हमेशा से ही चुनाव में अहम भूमिका निभाते आए हैं। इसके आगे की बात की जाए तो पिछले कुछ वर्षों में धर्म और राजनीति का काफी घालमेल हो गया है। वैसे तो हिन्दू कभी कट्टर नहीं रहा है, लेकिन जिस तरह से कांग्रेस और बाद में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और लालू प्रसाद यादव तथा ममता बनर्जी जैसे नेताओं ने खुलकर मुस्लिम कार्ड खेलना शुरू किया, उससे हिन्दुओं में भी कट्टरता साफ नजर आने लगी है। उन्हें (हिन्दुओं को) लगता है कि हिन्दुस्तान में ही उनके साथ दोयम दर्ज का व्यवहार किया जाता है। तमाम पिछली गैर–बीजेपी सरकारों ने हिन्दुओं की आवाज को सुनने की ही जरूरत नहीं समझी, जिसकी वजह से उसने अपने पक्ष में खड़ी नजर आने वाली बीजेपी को हाथों हाथ लिया। अयोध्या में रामलला के मंदिर का रास्ता मोदी और योगी राज में भी प्रशस्त हो पाया, इसलिए हिन्दू मथुरा में भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि बीजेपी की सरकार यहां भी श्रीकृष्ण भक्तों को इंसाफ दिलाएगी।

उत्तर प्रदेश हो, उत्तर भारत हो या यूं कहें कि पूरा देशकृभगवान श्रीकृष्ण हर जगह किसी न किसी रूप में पूजे जाते हैं। श्रीरामजन्मभूमि के साथ लोगों की जैसी भावनाएं जुड़ी हुई हैं, वैसे ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर भी भावनाएं जुड़ी हुई हैं। ऐसे में बीजेपी के पास एक अच्छा मौका है कि इन्हीं भावनाओं को भुनाकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि को एक बड़ा मुद्दा बनाया जाए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरेगा, इसके संकेत खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही अपने एक भाषण के दौरान दे चुके हैं। अयोध्या में दीपोत्सव के मौके पर सीएम योगी ने कहा था, '1990 में राम मंदिर बोलना अपराध माना जाता था, यह लोकतंत्र की ताकत है कि जो 31 साल पहले रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे आज आपकी ताकत के सामने झुके हैं। अब लगता है कि अगर आप कुछ वर्ष और इसी तरह से ले चले तो अगली कारसेवा के लिए वे और उनका पूरा खानदान लाइन में खड़े होते दिखाई देंगे। आप देखना अगली कारसेवा जब होगी तब गोली नहीं चलेगी, तब रामभक्तों–कृष्णभक्तों पर पुष्पों की वर्षा होगी। यही लोकतंत्र की ताकत है। गत दिनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने जो ट्वीट किया है, उसमें उन्होंने एक तरह से सीएम योगी के भाषण को ही आगे बढ़ाया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के ऐतिहासिक पक्ष को समझने की कोशिश की जाए तो 1679 में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में उत्तर भारत में कई जगह ऐतिहासिक मंदिर तोड़े गए थे। इसके पीछे धार्मिक कारण थे और हिंदुओं की आस्था पर चोट करना इसका मकसद था। इसके अलावा इसके आर्थिक उद्देश्य भी थे, क्योंकि इन मंदिरों में काफी धन संपदा होती थी जिसे औरंगजेब ने लूट लिया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को भी उसी समय तोड़ा गया था। इसका अभिलेखीय साक्ष्य भी है कि कब ऐसे आदेश दिए गए थे।

वादे और दावे तो बहुत होते हैं पर भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होना नहीं रोक पाईं सरकारें

–डॉ. रमेश ठाकुर–

क्या अभ्यर्थियों की किस्मत में यही सब है। भर्ती परीक्षाओं में उनके साथ यूं ही खिलवाड़ होता रहेगा? महीनों मेहनत करेंगे और ऐन वक्त पर जालसाज पानी फेर देंगे? दरअसल यही तो होता आया है बीते कई वर्षों से। व्यवस्थाएं भी बदलीं, सत्ता परिवर्तन भी हुए, लेकिन कल और आज में कुछ खास नहीं बदला? उत्तर प्रदेश में मायावती, मुलायम सिंह, अखिलेश यादव की हुकूमतों से लेकर योगी आदित्यनाथ युग में भी स्थितियां कमोबेश एक जैसे ही रहीं, प्रश्नपत्रों में तब भी लीकेज होता था और अब भी है। कहावत है 'नौ दिन चले ढाई कोस', परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'! प्रश्नपत्रों को लीक करवाने में उत्तर प्रदेश में वर्षों से पनपा कुख्यात सिंडिकेट गिरोह एक्टिव मोड में है। बड़ी–छोटी शायद ही कोई ऐसी परीक्षाएं बचती हों, जिनमें ये सेंध न लगाते हों। अव्वल तौर पर इसमें किसे दोषी ठहराया जाए, परीक्षा नियामक प्राधिकारी को, या फिर सीधे लोक व्यवस्थाओं के रखवालों को? क्या बीतती होगी उन छात्रों पर जो कठिन परिश्रम से परीक्षा देने पहुंचते हैं जहां उन्हें पता चलता है कि पेपर लीक होने से परीक्षा रद्द हो गई। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा लीक प्रकरण ने व्यवस्था को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यूपी की मौजूदा हुकूमत को पूर्ववर्ती सरकारों के मुकाबले सख्त और पारदर्शी माना जाता है, बावजूद इसके कृत्य वैसे ही हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तल्ख लहजे में आरोपियों को चिह्नित कर त्वरित कार्रवाई और दोषियों के विरुद्ध गैंगस्टर–एक्ट लगाने और उनकी संपत्तियों की जब्ती की बात कह दी है। दरअसल, ऐसा करना जरूरी भी हो गया है, जब तक इनके सिंडिकेट को तितर–बितर नहीं किया जाता, भर्ती परीक्षाओं को लीक प्रूफ करने की परिकल्पना साकार नहीं हो पाएगी।

गौरतलब है कि प्रश्नपत्र लीक होने का ये पहला मामला नहीं है और अंतिम भी नहीं? शासन–प्रशासन के पास इस लीकेज पर लगाम का कोई अखिल भारतीय तरीका भी नहीं। घटनाओं के बाद ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां होना, आरोपियों को जेलों में डालना और कुछ समय बाद जमानत मिल जाना, ये तरीका इस बीमारी का विकल्प नहीं हो सकता? कुछ और मुकम्मल तरीका खोजना होगा। प्रश्नपत्रों को लीक करवाना जालसाजों का पुराना और खानदानी धंधा है। टीईटी परीक्षा लीक प्रकरण में अभी तक जितनी भी गिरफ्तारियां हुईं हैं, वह मोहरे मात्र हैं, बड़ी मछलियां अब भी जाल में नहीं फंसीं। उन तक पहुंचना आसान भी नहीं? दरअसल, इस गोरखधंधे में सफेदपोशों से लेकर और सिस्टम के भेड़िए भी जुड़े होते हैं। जाहिर है बिना उनके सहयोग से इतना बड़ा कांड करना संभव नहीं, सरकारी तंत्र के भीतरखाने एक बड़ा सिंडिकेट पनपा हुआ है जिसे भेदना जरूरी है। गिरफ्तार किए गए बदमाशों से एसटीएफ बहुत कुछ उगलवा चुकी है, अपने आकाओं के नाम भी खोल चुके हैं, लेकिन वह नाम शायद ही उजागर हों, अगर हो गए तो भयंकर सियासी तबाही मच जाएगी।

परीक्षा रद्द होने के बाद अभ्यर्थियों से 26 दिसंबर को दोबारा परीक्षा ली जाएगी, जिसके लिए उनसे कोई अतिरिक्त शुल्क व बसों का किराया नहीं लिया जाएगा। पर, क्या ऐसा करने से अभ्यर्थियों ने जो खोया है उसकी भरपाई हो पाएगी? क्या कोई अंदाजा भी लगा सकता है कि कोरोना संकट के बीच उन्होंने किस कड़ी मेहनत से परीक्षा की तैयारियां की होंगी, कोचिंग में धन खर्च के अलावा अपना बहुमुल्य समय भी खपाया, उसका क्या होगा? उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से बड़ा सूबा है। समूचे प्रदेश भर में 2554 केंद्रों पर टीईटी परीक्षाएं होनी थीं। सेंटरों के बाहर दूर–दूर से आए अभ्यर्थियों का जमावड़ा था। भविष्य को संवारने के लिए कितने अरमान लेकर घरों से निकले होंगे, परिजन भी अपने बच्चों की परीक्षा पास की ऊपर वाले से दुआएं मांग रहे थे। लेकिन किसी को क्या पता था कि परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा की जगह उनके साथ मजाक होने वाला है। टीईटी प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए करीब साढ़े तेरह लाख और टीईटी उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए 8.93 लाख अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। समझ में नहीं आता इस अपराध को रोकना हुकूमतों के लिए क्यों चुनौती बना हुआ है?

देखा जाए तो प्रश्न पत्र बनाने का तरीका बेहद गुप्त होता है, परीक्षा की अंतिम रात तक प्रश्नों पत्रों को संरक्षित रखने की जिम्मेदारी परीक्षा नियामक प्राधिकारियों व सुरक्षाबलों के अधीन होती है। ये जिम्मेदारी चंद विश्वसनीय लोगों के कंधों पर होती है जिसमें कौन–कौन शामिल होते हैं उनकी जानकारियां विभागीय मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक को भी दी जाती हैं। इस दरम्यान कौन सेंधा लगा सकता है, उसे दबोचना बहुत आसान होता है। बहरहाल, इस तंत्र में बड़ी मिलीभगत होती है। प्रश्नपत्र लीक प्रकरण की सफलता से कई लोग रातों–रात मालामाल हो जाते हैं। पेपर लीक कांड देश के विभिन्न हिस्सों में समय–समय पर होते रहते हैं। पर उत्तर प्रदेश में ये खेल सबसे ज्यादा खेला जाता है।

बदमाशों का ये खेल कितनी परीक्षाओं में सफल हुआ, जिसका हम–आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते। इनका तंत्र बड़ा जबरदस्त होता है, लेकिन जालसाज टीईटी परीक्षा में गच्चा खा गए। इससे पहले भी एकाध परीक्षाओं में ये लोग नाकाम रहे, जैसे 2017 में सब–इंस्पेक्टर पेपर लीक हुआ, 2018 में यूपीपीसीएल प्रश्नपत्र लीक हुआ, इसी वर्ष पुलिस भर्ती का भी पेपर आउट हुआ। कड़ी लंबी है। 2018 में ही अधीनस्थ सेवा पेपर, स्वास्थ्य विभाग प्रोन्नत पेपर, नलकूप आपरेटर पेपर, 41520 सिपाही भर्ती पेपर लीक हुआ। पिछले साल 69000 शिक्षक भर्ती पेपर लीक हुआ और अब यूपी टीईटी परीक्षा लीक हो गई। ये सिलसिला कब रुकेगा, किसी को नहीं पता? पर, इससे अभिभावकों और परीक्षार्थियों का मनोबल जरूर टूटता जा रहा है। इससे अच्छा तो पूर्व की असंवैधानिक व्यवस्था ही ठीक थी, जब घूस देकर आदमी नौकरी पा लेता था। हालांकि ऐसी व्यवस्थाओं का लोकतंत्र मान्यता नहीं देता और देनी भी नहीं चाहिए। कुल मिलाकर लीकेज के ये आंकड़े सामान्य नहीं हैं, इन्हें कतई नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सिर्फ यूपी सरकार को ही नहीं, केंद्र सरकार से लेकर समूचे भारत के राज्यों को मिलकर ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे प्रतियोगी परीक्षा लीकेज प्रूफ हो सके। सतर्कता नहीं बरती गई तो लीकेज की घटनाओं की पुनरावश्त्ति होती रहेगी।

पूर्व सपा जिलाध्यक्ष धीरेंद्र यादव ने तलवार भेंट की पार्टी मुखिया को

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। सपा मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के झांसी प्रवास के दौरान जनपद जालौन के पूर्व सपा जिलाध्यक्ष चौ धीरेंद्र यादव ने अपने साथियों के साथ उनसे मुलाकात कर जिले की राजनीति पर चर्चा की और चुनावी युद्ध की प्रतीक तलवार उन्हें भेंट की निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सपा की नजरें भी अन्य

राजनैतिक पार्टियों की तरह बुंदेलखंड की उन्नीस विधानसभा सीटों पर टिकीं हैं। अपनी पूर्ववर्ती सपा सरकार में बुंदेलखंड में कराए गए कामों और मौजूदा भाजपा सरकार की नाकामियों का हवाला बुंदेलों को देकर उनका रुझान अपनी पार्टी की तरफ मोड़ने के लिए बुंदेलखंड के दौरे पर निकले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के झांसी प्रवास के दौरान पूर्व सपा जिलाध्यक्ष जालौन चौ धीरेंद्र यादव ने अपने साथियों रघुवीर कुशवाहा, अविनाश यादव व यूनुस राईन के साथ एक होटल में उनसे मुलाकात कर जिले में जारी पार्टी गतिविधियों पर चर्चा की। धीरेंद्र ने सपा मुखिया को तलवार भेंट कर आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए शुभकामनाएं दीं।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत, मायके वालों की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत

विवाहिता ने की मायके वालों लगाया हत्या का आरोप

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। धानेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे लदई गांव में एक नवविवाहिता का शव कमरे संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटकती मिली परिजनों द्वारा रेनू पत्नी पवन कुमार ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है । उधर मृतका के मायके वालों ने दहेज की खातिर जान से मार डालने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कारवाई की मांग की है। घटना के सन्दर्भ में क्षेत्राधिकारी संजय तलवार ने बताया है मृतका के मायके की तरफ से मिली तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रही है। कोतवाली नगर के नेपाल पुरवा की रहने वाली रेनू उर्फ देवी की शादी 1 साल पहले धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरे दतई के मजरा पूरे लदई निवासी पवन कुमार सोनकर के साथ हुई थी। रविवार की सुबह रेनू का शव घर के कमरे में लगे कुंडे से साड़ी के सहारे लटकता पाया गया पति पवन कुमार ने रविवार को घटना की जानकारी पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। उधर घटना की सूचना पाकर पहुंचे मायके वालों ने लड़की को दहेज के खातिर मार डालने का आरोप लगाया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने लेखपाल एवं अतिक्रमणकर्ता के विरुद्ध दिया कार्यवाही का आदेश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। तहसील मनकापुर की ग्राम पंचायत खजुरी में सिथति गाटा संख्या 458 सार्वजनिक रास्ते के खाते की भूमि दर्ज कागज़ात हैं जिस पर गाँव के ही गंगाराम पुत्र घिराऊ द्वारा छप्पर रखकर अवैध कब्जा किया गया था जिस

पर तत्कालीन लेखपाल द्वारा उत्तर प्रदेश की राजस्व सहिता की धारा 67(1) की कार्यवाही की गई। गंगा राम द्वारा न्यायालय की अवमानना करते हुए रास्ते की भूमि पर कब्जा परिवर्तन करते हुए पक्की नाद, तीन शेड, नल इंजन इत्यादि के जरिए कब्जा बढ़ाते रहे रास्ता बंद होता देख ग्राम वासियों ने माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की जिस पर श्रीमान तहसीलदार महोदय मनकापुर को तीन माह में निस्तारण का आदेश दिया गया है अवैध अतिचारी को बचाने के लिए हल्का लेखपाल द्वारा अपने ही कार्यकाल में भिन्न–भिन्न रिपोर्ट प्रेषित की जा रही हैं। जिससे सभी ग्राम वासियों में रोष व्याप्त है। जिसकी शिकायत सम्पूर्ण समाधान दिवस में की है।

चारागाह को किया जा रहा है गड्ढे में तब्दील एसडीएम के निर्देश के बाद भी नही पहुंचे लेखपाल

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत अन्दूपुर में ट्रैक्टर लगाकर गांव पंचायत के चारागाह की जमीन को खोदकर किया जा रहा गड्ढे में तब्दील सुबह 6:00 बजे से लगातार

की जा रही है। खुदाई की सूचना ग्रामीणों द्वारा एसडीएम को देने के बाद भी नहीं नहीं रुक सकी खुदाई। जबकि एसडीएम कर्नलगंज ने कहा तत्काल एक्शन लेते हुए लेखपाल को मौके पर भेजा गया है उधर ग्रामीणों का कहना है पुलिस तो आयी लेकिन कार्यवाही तो दूर लेखपाल मौके तक देखने की भी जहमत नही उठाई ग्रामीणों ने कहा कि लेखपाल की मिलीभगत से ही खुदाई की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार परसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अन्दूपुर में ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि के रूप में राजेश गुप्ता उर्फ बोड़ी द्वारा कल से खुदाई प्रारंभ की कराई गई थी। जिस ट्रैक्टर ट्राली से अबैध खनन शुरू की गयी थी उसके स्वामी ने बताया कि 4 दिसम्बर को अन्दूपुर निवासी राजेश गुप्ता उर्फ बोंड़ी ने आकर उनसे कहा कि चारागाह खुदवाने का उच्च अधिकारियों से अनुमति ले लिया है तुम अपने टैक्टर पटाई करना शुरू करो वाहन स्वामी प्रमीशन का कागज मांगा तो नही दिया गया तो शुक्ल अपनी गाड़ी लेकर वापस चले आये तब दूसरी टैक्टर ट्राली से राजेश उर्फ बोंड़ी चारागाह का खनन शुरू कराया गया इसी बात को लेकर नाराज बोडी द्वारा आज राम कुमार शुक्ल को मारा पीटा जिसको लेकर शुक्ल थाने पर तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उप जिलाधिकारी कर्नलगंज एवं जिला कंट्रोल रूम को दी गई परंतु खुदाई अनवरत चालू रही जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है इस संबंध में उपजिलाधिकारी करनैलगंज से बात करने पर उनके द्वारा बताया गया कि सूचना मिली है मौके पर लेखपाल एवं पुलिस भेजी जा रही है परंतु लेखपाल सूचना मिलने के बाद भी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा जिससे एक तरफ योगी सरकार की कड़े निर्देशो की खिल्ली उड़ाई जा रही है।

इतनी कोशिशों के बावजूद गोशालाओं में क्यों दम तोड़ रही हैं गायें

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ़, जालौन। जनपद जालौन की माधौगढ़ तहसील में आने वाले ग्रामो में गौशालाओ की हालत बद से बदत्तर होती जा रही हैं। योगी आदित्यनाथ के द्वारा गायों के प्रति उनकी इस संवेदनशीलता का ही नतीजा है कि राज्य में सरकार बनने के बाद से ही गायों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनकी देखभाल के लिए कई फैसले लिए गए, गोशालाएं बनवाने के निर्देश दिए गए और बजट में अलग से इसके लिए प्रावधान किया गया लेकिन राज्य का शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां से आए दिन गायों–बछड़ों के मरने की खबर न आती हो, वो भी भूख से मरने की राज्य सरकार ने इसी साल सभी गांवों में गोशाला और शहरी इलाकों में पक्के आश्रय स्थल बनवाने के निर्देश दिए थे। लेकिन ज़्यादातर आश्रय स्थलों में गायें चारे और पानी के अभाव में दम तोड़ दे रही हैं या फिर उन्हें बाहर ही घूमने के लिए छोड़ दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में अन्ना पशु वहां के किसानों के लिए पहले सी गंभीर समस्या बने हुए थे। लेकिन अब ये स्थिति और भयावह हो गई है इसीलिए जब गोवंश आश्रय स्थलों के निर्माण की घोषणा हुई तो सबसे पहले इसकी शुरुआत बुंदेलखंड इलाके से ही हुई अस्थाई आश्रय स्थल जनवरी में ही बनाए गए लेकिन उन आश्रय स्थलों में शायद ही कोई गाय हो।

क्या हैं ज़मीनी हालात

जालौन ज़िले की माधौगढ़ तहसील के गांव कुरौती, सिहारी, कुटरा अटा गांव, सुल्तानपुरा में गौआश्रय स्थल में दो–चार गायें पड़ी थीं जहां न तो उनके लिए पानी का कोई इंतज़ाम था और न ही चारे का. गायों के आगे चारे के नाम पर भूसा भी नही हैं आश्रय स्थल का हाल ये था कि उसकी टिनशेड के सिर्फ़ अवशेष ही बचे दिख रहे थे गांव के कुछ लोगों का ये भी कहना था कि जब भी कोई जांच करने के लिए आता है तो गांव से लाकर गायें वहां रख दी जाती हैं और बाद में उन्हें फिर छोड़ दिया जाता है. ये अलग बात है कि गायों की रखवाली के लिए दो लोग वहां तैनात थे लेकिन उनके पास कोई काम नहीं था, क्योंकि गोशाला में गाय नहीं थी।

क्या कहते हैं ग्राम पंचायत अधिकारी

ग्राम के लोगो ने बताया कि इस सम्बंध में ग्राम पंचायत अधिकारी प्रवीण रतलाम सचिव से गायों के खाने पीने के साथ ठंड से बचाव के लिए क्या इंतजाम किये गए तो वह भड़क उठे और कहा मुझे मत सिखाओ क्या करना है अभी पिछले दिनों इंतजाम किए गए थे इसके लिए मुझे रूपये तो कोई दे नही रहा अपने जेब से थोड़े ही लगा रहे गाये मरती है मरने दो मुझे कोई लेना देना नही है।

गौशाला में चारे की कमी ठंठ से मर रही गाये

हालांकि कुछ दिनों पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि इस गोशाला में भी अब तक कई गायें मर चुकी हैं। जहां तक गायों के मरने की खबर है तो अब तक केवल तीन गायों की मौत हुई है लेकिन बीमारी की वजह से नही बल्कि भूख की वजह से गाये की मौत हुई थी यहां एक सवाल और महत्वपूर्ण है कि राज्य में गायों की देखभाल के लिए जगह–जगह देखे जाने वाले गोरक्षकों की निगाह बीमारी और भुखमरी की शिकार इन गायों पर क्यों नहीं पड़ती?

भाजपा नेता सर्वेश जनसेवा ने जलालपुर में रखी बाबा साहब मूर्ति की नींव

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी/हरदोई। भाजपा नेता सर्वेश जनसेवा ने गाँव जलालपुर पहुच कर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति की नींव रखी । सर्वेश जन सेवा ने कहा कि बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की मूर्ति की नींव रखकर मुझे काफी गर्व हो रहा है । बाबा साहब के जीवन से हमे सीखना चाहिए बाबा साहब दलित समाज के ही नही बल्कि सर्व समाज के मसीहा थे । बाबा साहब की तीन प्रमुख शिक्षाएं,, शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष को गहड़ करना चाहिए । कहां की विधानसभा में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है जाती पाती एवं धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों का काम किया जा रहा है।मौके पर,जमुना प्रसाद राजेश संजीव कुमार लालाराम राजेश प्रधान बाजी नगर अरविंद कुमार भारत प्रसाद कौशल किशोर अंकित मिश्रा अमित गौतम आदि लोग मौजूद रहे ।

गौशाला से छूटे मवेशियों फसल को पहुंचाया नुकसान किसानों में आक्रोश

ग्रामीण व प्रधान ने एक दूसरे पक्ष पर आरोप लगाकर दी पुलिस को तहरीर

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन । ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंडौरा में अस्थाई गोशाला से छूटे जानवरो ने किसानों की बोई हुई फसल को रौंद कर बर्बाद कर दिया गुस्साए किसानों ने थाने पहुचकर तहरीर दी तथा प्रधान और उसके परिजनों पर लापरवाही व अभद्रता का आरोप लगाया वही प्रधान ने भी ग्रामीणों पर आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी गयी। ज्ञातव्य हो कि ग्राम पंडौरा में अस्थाई गोशाला बनी हुई है जिसमे करीब डेढ़ सौ से दो सौ मवेशी बन्द है बीती रात सारे मवेशी गोशाला से निकल कर पास के खेतों में बोई हुई मटर , मसूर , चना , सरसो , गेंहू आदि फसल को रौंद दिया सुबह जब किसान अपने खेतों की तरफ गए तो उन्होंने अपने खेतों में जब जानवरो को घुसे हुआ देखा तो उनके पैरों की नीचे से जमीन खिसक गई किसान देवीदयाल, रज्जन, परशोला, गया प्रसाद, पंचम , कल्लू , मूलचंद्र, राम कृपाल, राकेश आदि ने थाने पहुचकर

प्रधान व उसके परिजनों के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई किसानों ने कहा कि जब हम मवेशी खेतो से हांक कर गोशाला ले जा रहे थे तो प्रधान और उसके भाई लाठी डंडा लेकर आ गए तथा किसानों के साथ अभद्रता करने लगे और गोशाला में मवेशियो को बन्द करने से मना कर दिया जिस पर गुस्साए किसानों से प्रधान तथा अन्य की बहस होने लगी किसानों ने बताया कि शुरुआत से गोशाला में कोई सही प्रबंधन नही मवेशी जब चाहे तब बाहर निकल जाते है जब कि गोशाला में दो लोगो की ड्यूटी लगी हुई है लेकिन मवेशी फिर कैसे बाहर निकल रहे है और किसानों की फसल बर्बाद कर रहे है वही ग्राम प्रधान द्वारा कुछ ग्रामीणों के खिलाप अभद्रता व गाली गलौज के आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दी गयी। इस विषय मे थाना प्रभारी रविन्द्र नाथ यादव का कहना है कि जांच की जा रही है दोषी के खिलाप कार्यवाही की जायेगी वही इस विषय मे बी डी ओ अश्वनी कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी नही है मामले में जानकारी कर कार्यवाही की जाएगी।

राहुल ने महापरिनिर्वाण दिवस पर आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महापरिनिर्वाण दिवस पर सोमवार को बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। गांधी ने ट्वीट किया, ''आज बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस है। जब देश में बढ़ता हुआ सामाजिक अन्याय, हिंसा और भेदभाव देखता हूं तो सोचता हूं कि अभी बहुत काम बाकी है, बाबा साहेब का सपना अब भी दूर है। लेकिन हम वहां तक जरूर पहुंचेंगे। उन्हें मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।'' आंबेडकर की पुण्यतिथि छह दिसंबर को होती है, इसे महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन 6 दिसंबर 1956 को उनके दिल्ली स्थित आवास पर हुआ था।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत के शिल्पा बिहार कार्यालय के निकटतम संवाददाता इरशाद अहमद की अध्यक्षता में आज दिनांक 5:12 2021 दिन रविवार को समय लगभग 4:00 बजे बैठक में विशेष रुप से पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा को बुलाकर पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न एवं क्षेत्र में कवरेज करते समय परेशानी के आने के विषय में गहनता से बैठक की गई क्षेत्र में हो रही चोरी व रोड पर एक्सीडेंट व अन्य कई मुद्दों पर बात उठाने के लिए पत्रकारों ने प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा के समक्ष रखी अवध की आवाज के सभी पत्रकार बंधुओं का प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा सम्मान करते हुए आश्वासन दिया गया। किसी भी पत्रकार बंधु को कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी मौजूद पत्रकार बंधुओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष का बैठक में यथोचित अभिवादन किया।

आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत की गई तैयारियों के संबंध में पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र व पुलिस अधीक्षक गोंडा ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु दिनांक 05–12–2021 को पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र उपेंद्र कुमार अग्रवाल व पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री संतोष कुमार मिश्रा ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों के साथ गोष्ठी कर आगामी विधानसभा चुनाव–2022 के दृष्टिगत अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की। तत्पश्चात पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र ने निर्देशित किया कि प्रत्येक मतदान स्थल का भौतिक सत्यापन कर मैपिंग आदि कर लें, यदि कही कोई समस्या आती है तो समय रहते उसका निस्तारण कर लिया जाए। समस्त भूमि विवाद,आपसी रंजिश व अन्य छोटी से छोटी घटनाओं पर त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्यवाही करें ताकि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की कोई बड़ी घटना न होने पाए। अभी तक जिनके शस्त्र जमा नही हुए है विशेष अभियान चलाकर सभी शस्त्र धारकों के शस्त्र नियमानुसार जमा कराएं। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध गुंडा, गैंगस्टर एवं प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करें। अवैध शराब/शस्त्र के विरुद्ध अभियान चलाकर बृहद स्तर पर कार्यवाही करें, चुनाव के दौरान कोई भी अप्रिय घटना न होने पाए इसलिए सभी अपने–अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सूचनाओं को तत्काल अटेंड करें, चुनाव में अराजकता फैलाने वालो पर नजर रखें तथा सूचना तंत्र को और अधिक सक्रिय करे जिससे आगामी चुनाव सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया जा सके । प्रत्येक थाने पर चुनाव के दृष्टिगत नोडल प्रभारी बनाने व सभी थानों पर महिला हेल्पडेस्क पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने एवं हेल्पडेस्क के सुचारू रूप से संचालन, आगंतुकों के रिकॉर्ड का रखरखाव कराने के निर्देश दिए। गोष्ठी में बताया की खनन माफियाओ के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही करें और जितने भी गैंगस्टर के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हुई है अभियान चलाकर उनकी गिरफ्तारी कराई जाए। सभी थाना प्रभारियों को चुनाव के दौरान आने वाले सुरक्षा बल के रुकने हेतु चिन्हित स्थानों व मतदान स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने व व्यवस्थाओं का मानक के अनुरूप प्रबंध करने और फोर्स के डिप्लॉयमेंट के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। यह भी बताया की पोलिंग बूथ पर महिला आरक्षियों की भी ड्यूटी लगाए। मीटिंग में महिला संबंधी

अपराधों की समीक्षा करते हुए एनबीडब्ल्यू के तामिला कराने व पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व के मुकदमो व घटनाओं के आधार पर निरोधात्मक (गुंडा) आदि कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन रेंज के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण/कोविड टीकाकरण शिविर

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन रेंज उपेंद्र कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के

निर्देशन में आज दिनांक 05–12–2021 को रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में मेडिकल हेल्थ चेकअप व कोविड वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे पहुंचकर पुलिस उपमहानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक ने फीता काटकर कैम्प का उद्घाटन किया तथा बताया कि हम पुलिसकर्मियों द्वारा विभिन्न तरह की ड्यूटियों का निष्पादन करने के कारण हम अपने स्वास्थ्य के प्रति समय नही दे पाते है जिसके कारण कभी–कभी हम छोटी मोटी बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं जिनका हमे पता भी नही चलता है। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए हमें समय–समय पर अपना रूटीन हेल्थ चेकअप कराते रहना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या ना होने पाए। साथ ही निर्देशित किया जिनको पहले से कोई छोटी मोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्या रही है वह भी अपना रूटीन हेल्थ चेकअप जरूर कराएं। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हमें कोरोना से हर हाल में बचना है इसके लिए जिनके परिजनों का अभी तक कोविड टीकाकरण नही हुआ है वे टीकाकरण जरूर कराए, आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य परीक्षण/टीकाकरण शिविर का समय–समय पर आयोजन किया जाता रहेगा जिससे सभी पुलिसकर्मी व उनके परिजन अपना हेल्थ चेकअप व वैक्सीनेशन करा सकें। ततपश्चात विभिन्न थानों,शाखा कार्यालयों, रिजर्व पुलिस लाइन के पुलिस कर्मियों एवं आवासीय परिसर में रह रहे पुलिसकर्मियों के परिजनों ने अपना रूटीन हेल्थ चेकअप कराया तथा जिन लोगों ने अभी तक कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाया था उन्होंने वैक्सीनेशन भी करवाया।

वायरल हो रहे वीडियो पर बोले विधायक प्रभात वर्मा मेरे व मेरे परिवार का हमेशा पूजनीय रहा ब्राह्मण समाज

एडिट कर अन्य लोगों का आवाज लगाकर विरोधियों द्वारा किया जा रहा वीडियो वायरल –विधायक

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को गौरा विधायक प्रभात वर्मा ने लिया संज्ञान कहा विरोधियों की है। चाल मेरे छवि को धूमिल करने का किया जा रहा प्रयास ब्राह्मण समाज के खिलाफ विरोधियों द्वारा असम्मानजनक टिप्पणी को वायरल किया जा रहा है ऐसा करने वाले के खिलाफ विधिक राय लेकर गलत करने वाले लोगों के खिलाफ करवाएंगे कानूनी कार्रवाई बताते चलें कि भाजपा से गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा एक शादी समारोह में सम्मिलित होने गए थे तभी ब्राह्मण समाज पर आपत्तिजनक बोलने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था विधायक ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं और मेरा परिवार ब्राह्मण समाज का पूर्ण सम्मान करता है ब्राह्मण हमारे पूजनीय है ब्राह्मण समाज को लेकर ऐसी ओछी हरकत करने वाले लोगों पर शीघ्र से शीघ्र कड़ी कार्रवाई करायी जायेगी। राजनीतिक विरोध में जब

लोग को कुछ नहीं मिलता तो मेरी छवि को धूमिल करने के लिए अब तक दसियों बार ऐसी कुत्सित साजिश कर मेरी लोकप्रियता को कमजोर करने का नाकाम प्रयास करते रहते हैं । विधायक ने बताया कि या जो वीडियो वायरल हो रहा है इसको विरोधियों द्वारा एडिट कर किसी अन्य आवाज लगाकर वायरल किया जा रहा है।

विभाग की लापरवाही से विकास की खुली पोल

अवध की आवाज ब्यूरो

खोड़ारे गोण्डा। सरकार चाहे जितना सम्पूर्ण क्षेत्र की विकास का दावा करती रहे लेकिन सम्बन्धित विभाग की लापरवाही विकास की पोल को खोल देती है यानी विकास केवल कागजो तक ही सिमट जाता है ग्रामीणों उस लाभ से सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से वंचित ही रहते है हम बात कर रहे है विकास खण्ड बभनजोत के ग्राम पंचायत मझवां खास के भरवन डीह की इस बात को लेकर ट्रांफोर्मर के पास ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन करते हुए देखा गया उन लोगों का कहना था कि लगभग पांच वर्ष पहले सम्बन्धित विधुत विभाग के ठेकेदार के कुछ लोगो ने सौ रुपया लेकर मीटर लगाकर चले गये उसके बाद ग्रामीणों के विरोध करने पर खबरे प्रकाशित होने पर विधुत पोल खड़ा कर गाव में तार विधुत पोल पर दौड़ाकर इतिश्री करलिया गया लगभग चार वर्ष पूरे हो जाने पर उपभोक्तओं के घर कनेक्सन नही दिये है ग्रामीणों के मुताविक सूचना मिला कि बिना कनेक्सन के उपभोक्ताओं पर बिजली बिल चढ़ रहा है जिसका पुष्टि आधिकारिक तौर पर नही हो पाई है ग्रामीणों का कहना है कि हमारी इस समस्या में जनप्रतिनिधि से लेकर सम्बन्धित विभाग को सूचना दिया गया लेकिन किसी ने हमारी समस्या का निवारण नही किया इस आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युग मे इतना होते हुए भी हम लोगो को विधुत बिभाग द्वारा कनेक्सन न होने से हम और हमारे बच्चे ढिबरी के रोशनी में रहने के लिए मजबूर है विभाग व जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल आश्वासन ही मिलता है ग्रामीणों का कहना है कि अबकी बार विधानसभा चुनाव में हम लोगो का मतदान विकास पर ही रहेगा जनप्रतिनिधियों के बहकावे में हम लोग नही आएगे ।जबकि सरकार विजली पानी शिक्षा सड़क व स्वास्थ्य के प्रति हर घर तक पहुचाने का अथक प्रयास कर रही है दूसरी तरफ भरवन डीह विधुत कनेक्सन न होने से उपभोक्ता इलेक्ट्रिक युग मे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग नही बल्कि अंधकार में जीने को मजबूर है ।इस सम्बंध में अवर अभियंता घारीघाट उपकेन्द्र के धंनजीव कुमार से उनके सीयूजी न0 से जानकारी लेने पर बताए कि हमे जानकारी नही है सम्बन्धित को भेजकर जांच कराकर कनेक्शन जल्द कराएंगे ।अब देखना होगा कि विभाग के जेई साहब अपने बात पर कितना जल्दी कनेक्सन दिलवाते है या केवल आश्वासन ही रहेगा।

मृदा स्वास्थ्य सुधार में फसल अवशेष प्रबंधन का विशेष योगदान: डॉ0 सिंह

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। विश्व मृदा दिवस के शुभ अवसर पर मृदा स्वास्थ्य में गिरावट के कारण एवं सुधारात्मक उपाय के प्रति जागरूक करने एवं रबी की फसलों की अद्यतन जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बरपुर, सीतापुर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें किसानो को खेती–किसानी के साथ– साथ कृषि आय बढ़ाने की तकनीकों की अद्यतन जानकारी भी प्रदान की गयी।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ0 सुरेश सिंह ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये पौंधो के विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा किसानों को सलाह दी कि अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करायें एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संस्तुति के अनुसार ही खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें जिससे फसलों की उत्पादन लागत में कमी आयेगी तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन एवं आय मे वृद्धि होगी। डॉ सिंह ने कहा कि फसलों के अवशेष प्रबंधन का मृदा स्वास्थ्य के सुधार में बहुत बड़ा योगदान है अतः किसान भाई फसलों के अवशेष को जलाकर नष्ट न करें, इसको मिट्टी में ही सड़ा दें।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने रबी फसलों की आधुनिक खेती पर जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि किसान भाई अपनी खेती मे पूरी लागत लगाते हैं एवं भरपूर मेहनत करते हैं परंतु वांछित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। अतः तकनीकी बिंदुओं पर ध्यान देकर किसान भाई खेती की लागत को कम कर सकते हैं साथ ही साथ गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि करते हुए अधिक लाभ प्राप्त कर अपने सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को ऊंचा उठा सकते हैं। डॉ0 सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि किसान भाई एवं ग्रामीण नवयुवक – नवयुवतियां खेती के साथ–साथ स्वरोजगारपरक व्यवसाय जैसे मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, फलों एवं सब्जियों मे मूल्य सम्बर्धन, मोमबत्ती उत्पादन, सिलाई–कढ़ाई, वर्मी कम्पोस्ट, नर्सरी, बीज उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन आदि अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

अमर नाथ सिंह ने शून्य लागत खेती पर प्रकाश डाला, डॉ0 उमेश कुमार सिंह ने मृदा नमूना एकत्रीकरण, परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधारात्मक उपाय, फसलों में पोषक तत्व प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व पर विस्तार से जानकारी प्रदान की तथा गृह विज्ञान विशेषज्ञ ऋचा सिंह ने मौसमी फलों एवं सब्जियों में मूल्य संबर्धन के महत्व प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिसर मे स्थित तकनीकी प्रदर्शन इकाइयों जैसे– मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, फलों एवं सब्जियों में मूल्य सम्बर्धन, मोमबत्ती उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट, नाडेप, नर्सरी उत्पादन, पशु चॉकलेट निमार्ण इकाई, जीरो ईनर्जी कूल चौंबर, क्रॉप कैफेटेरिया आदि का भ्रमण कराया तथा साथ ही साथ किसानो की शंकाओं का समाधान किया गया एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया।

आंबेडकर की पुण्यतिथि: मायावती बोलीं, सड़कों पर उतरने से नहीं सत्ता परिवर्तन से बनेगी बात

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सड़कों पर उतरने से नहीं बल्कि सत्ता परिवर्तन करने से बात बनेगी और बसपा इस बार सत्तासीन होगी। उन्होंने कहा कि कुछ संगठन बनाकर कुछ लोग बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के मिशन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन चुनाव के बाद ऐसे संगठन न तो घर के रहते हैं ना घाट के। बाबा साहब आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर मायावती ने लखनऊ में मीडियाकर्मियों को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने बहुत कष्ट झेले लेकिन दलित व मुस्लिम वर्ग के लोगों को कानूनी अधिकार दिलाने के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी।

उन्होंने कहा कि यदि उनके द्वारा दिलाए गए अधिकारों का पूरा लाभ लेना है तो इस वर्ग के लोगों को संगठित होकर काम करना होगा। उन्होंने ही यह बताया था कि सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में इस वर्ग के लोगों को लेनी होगी। इसी का परिणाम रहा कि सूबे में चार बार बसपा की सरकार बनी। इस वर्ग के साथ–साथ मुस्लिमों ने भी बाबा साहब की सोच के प्रति जागरूकता दिखाई।

उन्होंने कहा कि यह कारवां न रुकने वाला है और न झुकने वाला है। पत्थर काट कर खुद रास्ता बनाने वाला है और आगे के रास्ते भी बनाए जाएंगे। मायावती ने

कहा कि विजय का अता पता नहीं और पहले ही विजय यात्रा निकाल रहे सपाइयों का हाल सब ने देख लिया। किस तरह से चंदौली में पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता की गई।

सपा के शासन का मतलब गुंडागर्दी और माफियागर्दी रहा है

मायावती ने कहा कि यह सब जानते हैं कि सपा के शासन का मतलब गुंडागर्दी और माफियागर्दी का चरम पर होना। यूपी की जनता इस धोखे में नहीं आने वाली है। उत्तराखंड में भी बसपा इस बार अच्छा प्रदर्शन करेगी और अकेले चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा पार्टी पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन में मिलकर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट पर सभी को मुख्य चुनाव आयोग एवं सरकारों की गाइडलाइन का पालन करना चाहिए। खासतौर से चुनाव में इस पर ध्यान देना होगा। इस मौके पर बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी और कहा कि करोड़ों दलितों, शोषितों, वंचितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा परम पूज्य बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर सादर नमन किया।मानवता के लिए समर्पित बाबा साहेब का जीवन एवं उनका विराट व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

इस बार पहले से अधिक मजबूत सरकार बनाएंगे: मायावती

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी 2007 से भी अधिक मजबूत सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान को सड़कों पर उतरकर नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन करके बचाया जा सकता है। मायावती ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 65वीं पुण्यतिथि पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी और यह सरकार 2007 में बनी स्पष्ट बहुमत की उसकी सरकार के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी उत्तराखंड में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी और पंजाब में गठबंधन की मजबूत सरकार बनाएगी। उत्तराखंड में बसपा सभी सीटों पर अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन कर चुनाव लड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा तथा अन्य दलों पर दलितों को संविधान में दिए गए उनके कानूनी अधिकारों का पूरा लाभ नहीं देने का आरोप लगाया। जब मायावती से यह सवाल किया गया कि ''संविधान बचाने के लिए'' बसपा सड़कों पर कब उतरेगी, तो उन्होंने कहा, ष्सड़कों पर उतरने से काम नहीं चलेगा, सत्ता परिवर्तन करने से चलेगा। जब सत्ता परिवर्तन हो जाएगा, तो संविधान बच जाएगा। आम्बेडकर के विरोधी लोग सत्ता में बैठे हैं तो हम सड़कों पर उतर कर क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि संविधान के हिसाब से नहीं चल रही सरकारों का एकमात्र इलाज यही है कि उन्हें सत्ता से बाहर किया जाए, तभी संविधान के मुताबिक काम किया जा सकता है। समान नागरिक संहिता के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मायावती ने कहा, जब ऐसा कोई कानून आएगा, तभी सवाल पूछिएगा। आप केंद्र सरकार को तैयार कर रहे हैं कि वह जल्द यह कानून ले आए। मायावती ने रविवार को चंदौली में सपा (समाजवादी पार्टी) कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस कर्मियों से कथित रूप से दुर्व्यवहार किए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा, ष्विजय रथ यात्रा निकाल रही इस पार्टी को चुनाव में जीत भी नहीं मिली है, लेकिन उसका अभी से यह हाल है। सपा चाहे किसी से भी गठबंधन कर ले, लेकिन जनता को मालूम है कि उसके शासनकाल में गुंडागर्दी चरम सीमा पर थी। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भी लपेटते हुए कहा कि भाजपा चाहे कानून का राज होने के कितने भी दावे करे, मगर हकीकत यह है कि कोई भी दिन ऐसा नहीं जाता, जब प्रदेश के तमाम जिलों में कमजोर वर्गों पर किसी न किसी रूप में ज्यादती न होती हो। मायावती ने आम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी दलित तथा वंचित वर्गों के लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए समर्पित कर दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान बनाने का मौका मिलने पर आम्बेडकर ने इन वर्गों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए कानूनी अधिकार दिये, मगर केंद्र और राज्य सरकारों की जातिवादी मानसिकता की वजह से उन्हें इन अधिकारों का पूरा लाभ नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आम्बेडकर ने यह भी कहा था कि अगर इन वर्गों के लोगों को भारतीय संविधान में मिले कानूनी अधिकारों का पूरा लाभ लेना है तो उन्हें संगठित होकर केंद्र और राज्यों में राजनीतिक सत्ता की चाबी अपने हाथों में लेनी होगी और इस बात का सबसे बड़ा साक्ष्य बसपा के नेतश्त्व वाला चार बार का शासन काल है। मायावती ने आरोप लगाया कि देश में संकीर्ण और जातिवादी सोच रखने वाली ऐसी पार्टियां और संगठन भी हैं जिन्होंने आम्बेडकर की मानवतावादी सोच और संघर्ष का हमेशा विरोध किया और उनकी घोर उपेक्षा भी की, लेकिन अब वे अपने राजनीतिक हित के लिए दिखावटी और बनावटी प्रेम दिखाकर उन्हें मजबूरी में याद कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख इस बात का है कि कुछ संगठन अपने निजी स्वार्थों के लिए खासकर दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों तथा अन्य उपेक्षित वर्गों के मतों को बांटकर बाबा साहेब के आंदोलन को कमजोर करने में लगे रहते हैं।

राष्ट्रीय महासचिव को मातृ शोक अंतिम विदाई में वीवीआइपी लोगों का लगा रहा ताता

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर,गोण्डा। भाजपा के अनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय कामगार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक की माता रामावती पाठक 65 की लंबी बीमारी के कारण पीजीआई लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई।

आपको बताते चलें कि राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक मोतीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विद्यानगर के मजरा ककराहवा के मूल निवासी हैं। पाठक के मां के अंतिम संस्कार अयोध्या धाम के सरयू तट पर शक किया गया इस मौके पर अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रतिनिधि दिब्य द्विवेदी राजस्थान के राज्यपाल कलराज

मिश्रा के निजी सचिव विवेक शुक्ला अयोध्या महापौर ऋषि केस उपाध्याय गोरखपुर सांसद रवि किशन के प्रतिनिधि गुड्डू पांडे मिल्कीपुर विधायक बाबा गोरखनाथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री बृजेश पाठक पूर्व सांसद अंबेडकरनगर हरिओम पांडे विधायक हरैया अनुज सिंह सहित तमाम जनप्रतिनिधियों के मौजूदगी में राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक के पिता कैलाश नाथ पाठक ने नम आंखों से मुखाग्नि दी। और मौजूद लोगों ने नम आंखों से भावभीनी विदाई दी।

आज प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री अपने काफिले के साथ राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक के आवास पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को संवेदना प्रकट करने उनके आवास विद्यानगर ककरहवा पहुंचे और शौक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उनके साथ प्रतिनिधि जनार्दन तिवारी भाजपा नेता विनोद कुमार मिश्र विसफोटी डॉक्टर ध्रुव नारायण तिवारी प्रमोद कुमार सोनी नाथू राम चौधरी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर क्षेत्र के धीरेंद्र सिंह बिसेन, यज्ञ नारायन त्रिपाठी विनोद कुमार सिंह, राम कुमार मिश्रा, मोहम्मद सुलेमान, सलाहुद्दीन, अशोक कुमार पाठक राजकुमार वर्मा राजेश कुमार वर्मा शिव कुमार पांडे चंदन सिंह, प्रिंस सिंह, सहित क्षेत्र के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के बंथर गांव में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम सभा आटा बंथर में आजादी के अमृत महोत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रचारक जितेंद्र जी, आशीष बाजपेई जी, अरविंद अवस्थी जी, हरिसहाय मिश्र (मदन) जी, बृजेश बाजपेई जी, केडी त्रिपाठी जी, धीरज कुमार, इंद्रजीत जी, कपिल शुक्ला जी, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य जी एवं समस्त स्टाफ आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा/सेनानायक 30वीं वाहिनी पी.ए.सी. संतोष कुमार मिश्रा ने 30वीं वाहिनी में आयोजित 23वीं अन्तरवाहिनी पी.ए.सी. मध्यजोन फुटबाल प्रतियोगिता –2021 का किया शुभारम्भ

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। 30वीं वाहिनी पी0ए0सी0 में आयोजित 23वीं अन्तरवाहिनी पीएसी मध्यजोन फुटबाल प्रतियोगिता –2021 के शुभारम्भ अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोण्डा/सेनानायक 30वी वाहिनी पीएसी संतोष कुमार मिश्रा ने पहुचकर सर्वप्रथम फुटबॉल कोच व खिलाड़ियों से मिलकर उनका परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात् प्रतियोगी टीमों द्वारा मार्चपास्ट किया गया जिसका पुलिस अधीक्षक/सेनानायक द्वारा अभिवादन लिया गया साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को एकता व सद्भावपूर्ण खेलभावना की शपथ दिलाई गयी। पुलिस अधीक्षक गोण्डा/सेनानायक द्वारा शान्ति का प्रतीक कबूतर को उडाया गया तथा फुटबाल किक मारकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। प्रथम मैच 10वीं वाहिनी पी.ए.सी. बाराबंकी तथा 11वीं वाहिनी पी.ए.सी. सीतापुर के मध्य खेला गया, मैच का प्रदर्शन काफी सराहनीय रहा । प्रतियोगिता में कुल 08 टीमे प्रतिभाग कर रही है, यह प्रतियोगिता आज दिनाकं 06.12.2021 से प्रारम्भ होकर दिनाकं 08.12.2021 तक चलेगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।